पाठयोजना - 01
आवश्यकताओं का वर्गीकरण

विद्यालय का नाम : परख पब्लिक हायर सैकेण्डरी स्कूल
विषय : अर्थशास्त्र दिनांक : 18-09-19
कक्षा : 9 वीं कालांश : II
प्रकरण : आवश्यकताओं का वर्गीकरण कालखण्ड : 40 min

सामान्य उद्देश्य :

(i) छात्रों के आर्थिक तत्व व तथ्यों का ज्ञान करना।
(ii) छात्रों को उन आर्थिक साधनों का ज्ञान कराना जिनसे वह अपने लिए व्यवसाय का चुनाव कर सके।
(iii) छात्रों में कुशल उपभोक्ता की भावना को विकसित करना
(iv) छात्रों में बचत के व्यवहारिक महत्व को समझाना।
(v) छात्रों को सफल प्रजातांत्रिक नागरिक बनाना

विशिष्ट उद्देश्य :

(1) ज्ञानात्मक पक्ष : छात्र आवश्यकताओं को परिभाषित कर सके।
(2) भावात्मक पक्ष : छात्र आवश्यकताओं का वर्गीकरण का उसका चयन कर सके।
(3) मनोगात्मक पक्ष : छात्र आवश्यकताओं के वर्गीकरण को किसी भी दी हुई परिस्थिति में प्रयोग कर सकेंगे

शिक्षण विधि : आगमन विधि

सहायक सामग्री : पाठ्य पुस्तक, चॉक, डस्टर, चार्ट, श्याम पट्ट

पूर्वज्ञान : छात्र आवश्यकताओं की सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :

क्र.	छात्राध्यापिका व्यवहार	छात्र व्यवहार
1.	किसी वस्तु को पाने के लिए मन में जो भाव पैदा होते हैं, उन्हें क्या कहते हैं?	उसे इच्छा कहते हैं।
2.	इच्छा जब अत्यन्त प्रभावपूर्ण हो जाती है, तो वह क्या बन जाती है?	आवश्यकता।
3.	आवश्यता की पूर्ति हम किस प्रकार करते हैं?	धन के द्वारा।
4.	आवश्यकताओं का वर्गीकरण किस आधार पर किया जाता है?	निरुत्तर (समस्यात्मक प्रश्न)

उद्देश्य कथन : आज हम मानवीय आवश्यकताओं का वर्गीकरण करेंगे।

प्रस्तुतिकरण :

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका व्यवहार	छात्र व्यवहार	श्यामपट्ट का
1.	भुख मिटाने के लिए व्यक्ति को किसकी आवश्यकता होती है?	रोटी की	
2.	क्या इन्हे आवश्यकता की श्रेणी में रखा जा सकता है?	हाँ	

चार्ट दिखाते हुए :

छात्र रुचि पूर्वक देख रहे हैं।

स्पष्टीकरण

प्रस्तुत चार्ट में आवश्यकताओं को तीन प्रकार में वर्गीकृत किया गया है।

मनुष्य की आवश्यकताएँ असीमित है और प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता की तीव्रता समान नहीं होती। इसी के आधार पर आवश्यकताओं को अनिवार्य, आरामदायक और विलासिता में वर्गीकृत किया जा सकता है।

छात्र ध्यान - पूर्वक देख व सुन रहे हैं।

अनिवार्य आवश्यकता

इनकी पूर्ती करना प्रत्येक दशा में आवश्यक है। एक मनुष्य को जीवित रहने के लिए भोजन एवं पहनने के लिए कपड़े की जरूरत रहती है।

अनिवार्य आवश्यकता का अर्थ।

बिना इनकी पूर्ति के मानव जीवित नहीं रह सकता।

बोध प्रश्न

प्रश्न 1 कोई बता सकता है, इन आवश्यकताओं के उदाहरण: ? हाँ, इन्हें जीवन रक्षक आवश्यकता भी कहते हैं।

रोटी, कपड़ा, भोजन, मकान

भोजन, वस्त्र।

उदाहरण

मकान

अनाज

प्रतिष्ठा रक्षक आवश्यकताएँ

उदाहरण:

इसी प्रकार यदि आप इन मूलभूत सुविधाओं का उपयोग अपनी प्रतिष्ठा बनाये रखने के लिए करते हैं। घर आए मेहमान के लिए जलपान, भोजन की व्यवस्था करते हैं, तो इसे प्रतिष्ठारक्षक आवश्यकता कहते हैं।

छात्र ध्यान-पूर्वक समझ रहे हैं।

प्रतिष्ठारक्षक आवश्यकताएँ।

प्रश्न २. अतिथियों का सत्कार क्यों किया जाता है?

सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए

उदाहरण गर्मी में कूलर की आवश्यकता पर ठंड में नहीं, आपने सोचा है क्यों?

छात्र विचार कर रहे हैं।

आरामदायक वस्तुएँ

आरामदायक आवश्यकताएँ कुछ क्षण रुककर — क्योंकि ये वस्तुएँ हमारे आराम के लिए हैं।

आरामदायक आवश्यकता

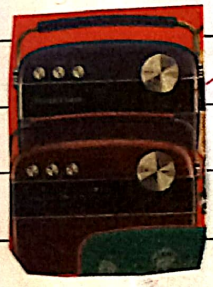

हमारी सुविधा के अनुसार ये वस्तुएँ बदलती रहती हैं। इनकी पूर्ति से मनुष्य सुख या मनोरंजन का अनुभव करता है। वह आरामदायक आवश्यकता कहलाती है।

बोध प्रश्न

प्रश्न 3. आराम दायक आवश्यकता के दो उदाहरण दीजिए।

गर्मी में कूलर, मनोरंजन के लिए टि.वी.।

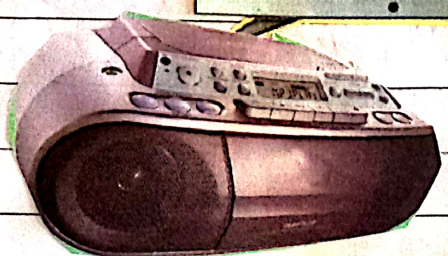

प्रश्न : 4	किन वस्तुओं से मनुष्य सुख व आराम का अनुभव करता है।	आरामदायक वस्तुओं से।
उदाहरण :	जैसे साइकिल के स्थान पर मोटरसाइकिल। ऐसी वस्तुएँ मात्र शौक, दिखावे मनोरंजन के लिए प्रयोग होती हैं। ऐसी आवश्यकताएँ विला-सिता पूर्ण आवश्यकता कहलाती हैं।	
विलासिता -पूर्ण आवश्यकताएँ	वर्तमान में मनुष्य के पास कई विकल्प मौजूद हैं विलासिता पूर्ण आवश्यकता के लिए।	विलासिता पूर्ण आवश्यकताएँ।

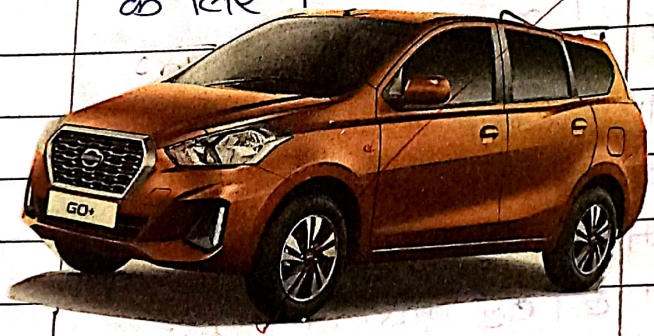

बोध प्रश्न

प्रश्न 1	बच्चे का महंगा खिलौना किस प्रकार की आवश्यकता है?	विलासिता-पूर्ण।
प्रश्न 2	विलासिता पूर्ण आवश्यकता से कैसे सुख की प्राप्ति होती है।	अतिरिक्त व्यर्थ सुख की प्राप्ति।

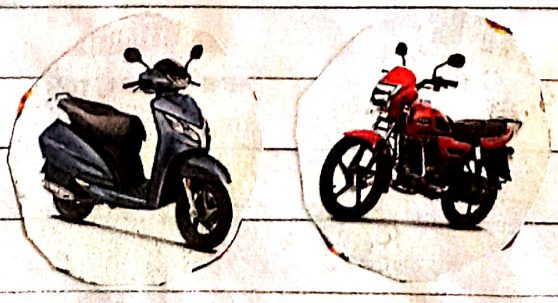

पुनरावृत्ति प्रश्न

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक व्यवहार	छात्र व्यवहार	श्या० कार्य
प्र० 1.	आवश्यकता से क्या आशय है?	जीवित रहने की जरूरी साधन।	
प्र० 2	आवश्यकताओं को कितने भागों में बाँटा जा सकता है?	तीन।	
प्र० 3	आरामदायक वस्तुओं का उपयोग क्यों किया जाता है?	सुख के लिए	
प्र० 4.	विलासिता पूर्ण आवश्यकताएँ क्या है?	प्रतिष्ठा के लिए जैसे: कार, ए०सी०।	

कक्षा कार्य:

(1) रोटी, कपड़ा, मकान किस आवश्यकता का उदाहरण है?

(2) आवश्यकताएँ कैसी होती है?

गृह कार्य:

(1) प्रत्येक आवश्यकताओं के दो-दो उदाहरण लिखिए।

(2) अपनी पुस्तीका में चित्रों को दर्शाओ।

श्यामपट्ट कार्य

प्रकरण : आवश्यकताओं का वर्गीकरण

शिक्षण बिंदु

- आवश्यकताओं का वर्गीकरण
  - अनिवार्य आवश्यकताएँ
    - जीवन रक्षक आवश्यकताएँ
    - कार्यक्षमता रक्षक आवश्यकताएँ
    - प्रतिष्ठा रक्षक आवश्यकताएँ
  - आरामदायक आवश्यकताएँ
  - विलासतापूर्ण आवश्यकताएँ
    - हानिकारक विलासिताएँ
    - हानि-रहित विलासिताएँ

TELEPHONE
दूरभाष (टेलीफोन)

विषय शिक्षक के हस्ताक्षर

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

Tina Shukla
छात्राध्यापक के हस्ताक्षर

पाठ योजना - 02
मुद्रा

विद्यालय का नाम : परख पब्लिक हायर सैकेण्डरी स्कूल
कक्षा : 10 वीं
विषय : अर्थशास्त्र
प्रकरण : मुद्रा

दिनांक : 22-9-2019
कालखण्ड : III
समय : 40 min

* **सामान्य उद्देश्य :**

(i) छात्रों को आर्थिक तथ्यों का ज्ञान कराना।
(ii) आर्थिक जीवन की राष्ट्रीय एवं सामाजिक समस्याओं से अवगत कराना।
(iii) छात्रों को पारिवारिक बजट का ज्ञान कराना।
(iv) छात्रों को सफल प्रजातांत्रिक नागरिक बनाना।
(v) भारतीय मुद्रा का ज्ञान कराना।
(vi) छात्रों को राष्ट्रीय आय को अधिकतम करने की क्षमता का विकास कराना।

* **विशिष्ट उद्देश्य**

(अ) ज्ञानात्मक उद्देश्य : (i) छात्र मुद्रा को परिभाषित कर सकेंगे।
(ii) छात्र मुद्रा का प्रत्यास्मरण एवं प्रत्याभिज्ञान कर सकेंगे।
(ब) भावात्मक उद्देश्य : छात्र मुद्रा के विभिन्न रूपों की पहचान कर सकेंगे।
(स) मनोगात्मक पक्ष : छात्र विभिन्न मुद्राओं को पहचान कर उसे चित्रित कर सकेंगे।

* **शिक्षण विधि :** आगमन व निगमन विधि

* **सहायक सामग्री :** पाठ्यपुस्तक, चार्ट, चॉक, डस्टर, लैपटॉप आदि।

→ पूर्वज्ञान: छात्र मुद्रा सम्बन्धी सामान्य जानकारी रखते हैं।

→ प्रस्तावना

क्र॰	छात्राध्यापिका व्यवहार	छात्र व्यवहार
1)	हम अपनी आवश्यकता की पूर्ती का सामान कहाँ से खरीदते हैं?	बाजार से।
2)	किसी वस्तु को खरीदने के लिए हम दुकानदार को क्या देते हैं?	रुपये, पैसे (धन)
3)	इसे हम कैसे पहचानेंगे?	उस पर अंकित मूल्य
4)	अर्थशास्त्र की भाषा में इसे क्या कहते हैं?	निरुत्तर

→ उद्देश्य कथन: आज हम मुद्रा के अर्थ व इससे सम्बन्धित जानकारी के बारे में अध्ययन करेंगे।

→ प्रस्तुतिकरण:

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका व्यवहार	छात्र व्यवहार	श्यामपट्ट कार्य
	श्यामपट्ट पर चित्र बनाकर मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताएँ हैं - रोटी, कपड़ा, मकान	छात्र चित्र देखते हैं।	
प्रश्न 1.	क्या मनुष्य स्वयं अपनी आवश्यकता की पूर्ति कर पाएगा?	नहीं	

प्रश्न 2.	तो वह आवश्यकताओं की पूर्ति कैसे करेगा?	दूसरों की मदद से।	
उदाहरण	जिन आवश्यकताओं की पूर्ति अलग-अलग व्यक्तियों के द्वारा की जायेगी तो क्या उसके बदले में हम उन लोगों को कुछ देंगे। मानो कि हमारी कपड़े की दुकान है और हमे दूध की जरूरत है। (कुछ देर बाद - हाँ इसके बारे में हम विस्तृत अध्ययन करेंगे)	छात्र सोच रहे हैं।	
स्पष्टीकरण	प्राचीन युग में मनुष्य वस्तुओं का दुसरी वस्तुओं से बदल कर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता था, इसे विनिमय कहते हैं। समय के साथ वस्तु विनिमय प्रणाली में कठिनाईयाँ आने लगी। मनुष्य ने इसका दुसरा रास्ता खोजा जिसके की सभी की आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके परिणामस्वरूप मुद्रा का उदय हुआ।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	वस्तु विनिमय प्रणाली एक वस्तु के बदले में दुसरी वस्तु
मुद्रा का अर्थ	'मुद्रा' को अंग्रेजी में 'Money' कहते हैं यह लेटिन भाषा के Moneta शब्द से बना है। सिक्का दिखाते हुए:	छात्र सिक्के देखकर प्रदर्शन विधि से समझ रहे हैं।	मुद्रा का अर्थ।

CURRENTLY CIRCULATED COINS

प्राचीन रूप	प्राचीन समय में मुद्रा सोने, चाँदी, ताँबा की हुआ करती थी। कठिनाई आने पर मुद्रा को सरकारी चिन्ह किया जाने लगा इसे प्रमापीकरण कहते हैं।	छात्र प्रमापीकरण समझ रहे हैं।	प्राचीन रूप
नवीन रूप	वर्तमान में कागजी मुद्रा उपयोग करी जाती है। भारत में नोट पर गाँधीजी का चित्र अंकित है। वैध होने का प्रमाण गवर्नर के हस्ताक्षर का होना है। इसी प्रकार हर देश की अपनी अलग मुद्रा है।	छात्र कागजी मुद्रा को देख कर समझ रहे हैं।	नवीन रूप
	MONEY (CURRENCY NOTES)		
	चार्ट दिखाते हुए: देशों की मुद्रा व नाम।	छात्र लिख रहे हैं।	

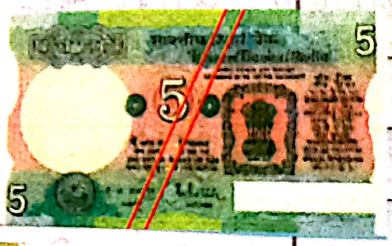

बोध्य प्रश्न 1.	प्राचीन युग में मुद्रा की जगह क्या प्रचलन में था?	वस्तु विनिमय	
प्रश्न 2.	नेपाल की मुद्रा क्या है?	रुपैया	
परिभाषा	प्रो॰ माशर्ल के अनुसार: "मुद्रा में वे सभी वस्तुएँ सम्मिलित हैं, जो किसी समय अथवा स्थान पर बिना किसी संदेह अथवा जाँच के वस्तुओं एवं सेवाओं का क्रय करने तथा व्यय का भुगतान करने के रूप में स्वीकार की जाती हैं।	छात्र परिभाषा उत्तरपुस्तिका में लिख रहे हैं।	परिभाषा
स्पष्टीकरण	परिभाषा के आधार पर हम कह सकते हैं कि मुद्रा - विनिमय का मजबूत व आवश्यक तत्व है। इसका हम स्वतंत्रता-पूर्वक लेन-देन कर सकते हैं।	छात्र सुन रहे हैं।	
बोध्य प्रश्न 1	मुद्रा किसके बदले में दी जाती है?	वस्तुओं व सेवाओं के बदले में।	
प्रश्न 2.	मुद्रा का स्वतंत्रता पूर्वक हस्तांतरण क्यों किया जाता है?	क्योंकि वह प्रमाणित होती है।	

→ पुनरावृत्ति प्रश्न:

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक व्यवहार	छात्र व्यवहार	श्यामपट कार्य
(1)	मुद्रा किसे कहते हैं?	जिसका हम उपयोग वस्तुओं और सेवाओं के बदले में करते हैं।	
(2)	कागजी मुद्रा पर किसका चिन्ह है?	गाँधी जी	

PAGE NO.
DATE:

→ कक्षा कार्य : (1) मुद्रा को अंग्रेजी भाषा में क्या कहते
(2) मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता कौन

→ गृह कार्य : अपनी पुस्तिका में मुद्रा के चित्र चिपकाइ

श्यामपट्ट कार्य

प्रकरण : मुद्रा

शिक्षण बिन्दु :

1) मूलभूत आवश्यकताएँ : रोटी, कपड़ा, मकान।

2) वस्तु विनिमय : एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु लेना।

3) परिभाषा : मुद्रा में वे सभी वस्तुएँ सम्मिलित हैं जो किसी समय, स्थान पर बिना संदेह व जाँच के वस्तुओं एवं सेवाओं को क्रय करने के रूप में स्वीकार की जाती हैं।

प्रो. मार्शल

विषय शिक्षक हस्ताक्षर

पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

छात्राध्यापक हस्ताक्षर